भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1921

18 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

पारंपरिक आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के बीच की खाई को पाटना

1921. श्रीमती धर्मशीला गुप्ता:
श्रीमती किरण चौधरी:
डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे:
श्री नरहरी अमीन:
डा. परमार जशवंतसिंह सालमसिंह:
श्री सदानंद महालू शेट तानवड़े:
श्री बृज लाल:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार की इस पहल अर्थात "देश का प्रकृति परीक्षण अभियान" से प्राप्त निष्कर्षों का उपयोग करके पारंपरिक आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के बीच की खाई को पाटने के लिए क्या योजना है;

(ख) क्या इस अभियान को आयुष्मान भारत या अन्य जन स्वास्थ्य कार्यक्रम जैसी मुख्यधारा की स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के साथ एकीकृत करने की कोई योजना है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या मंत्रालय के पास "देश का प्रकृति परीक्षण अभियान" के दूसरे चरण के लिए कोई रूपरेखा है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): सरकार द्वारा 9वें आयुर्वेद दिवस (दिनांक 29 अक्टूबर, 2024) पर "देश का प्रकृति परीक्षण अभियान" शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य आयुर्वेद में वर्णित 'प्रकृति' की अवधारणा के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करना और उनके स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के लिए उनकी प्रकृति का आकलन करना था। यह मूल्यांकन छात्रों, शिक्षकों, आयुर्वेद चिकित्सकों और आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों सहित निष्ठावान स्वयंसेवकों की सहायता से एक समर्पित मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से किया गया था। मोबाइल ऐप वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की एक इकाई जीनोमिकी और समवेत जीवविज्ञान संस्थान (आईजीआईबी) द्वारा आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार प्रदान किए गए तर्क पर आधारित था। इस अभियान के तहत 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के कुल 1,39,62,239 भारतीय नागरिकों का प्रकृति परीक्षण किया गया।

(ख) से (ङ): आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) आयुष मंत्रालय के राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना का एक घटक है, जिसमें आयुष सिद्धांतों पर आधारित समग्र कल्याण मॉडल स्थापित करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता प्रदान की जाती है। एनएएम के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) के घटकों में से एक घटक प्रकृति परीक्षण है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त प्रतिवेदनों के अनुसार, देश भर में 12463 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) कार्यशील हैं।

*****